



Chanderganta

22 Mar 2026

01:43 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121680409

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 21-22/03/2026
दिन _____: शनि-रविवार
जन्म समय _____: 01:43:00 घंटे
इष्ट _____: 48:16:24 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 01:21:52 घंटे
वेलान्तर _____: -00:07:12 घंटे
साम्पातिक काल _____: 13:19:18 घंटे
सूर्योदय _____: 06:24:26 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:32:44 घंटे
दिनमान _____: 12:08:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वसन्त
सूर्य के अंश _____: 06:59:40 मीन
लग्न के अंश _____: 11:28:21 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: धनु - गुरु
राशि-स्वामी _____: मेष - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: भरणी - 1
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: वैधृति
करण _____: वणिज
गण _____: मनुष्य
योनि _____: गज
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: ली-लीना
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मेष

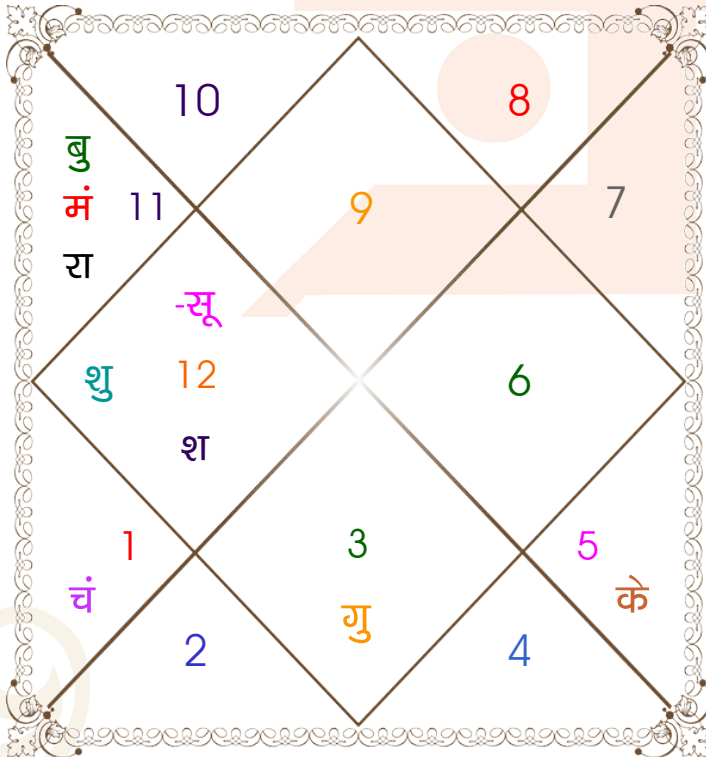
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:28:21	341:06:19	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			मीन	06:59:40	00:59:36	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मेष	13:59:26	14:28:50	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल	अ		कुंभ	20:55:43	00:47:09	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			कुंभ	14:19:02	00:05:59	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु			मिथु	21:02:51	00:02:04	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	24:52:43	01:14:14	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	उच्च राशि
शनि	अ		मीन	10:03:20	00:07:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:37:13	00:03:09	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:37:13	00:03:09	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:07:31	00:02:14	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:35:42	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:48:20	00:01:13	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	27:13:38	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

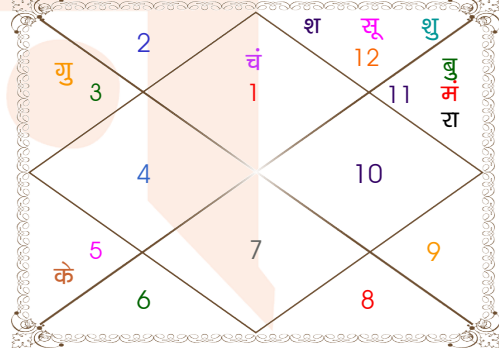
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

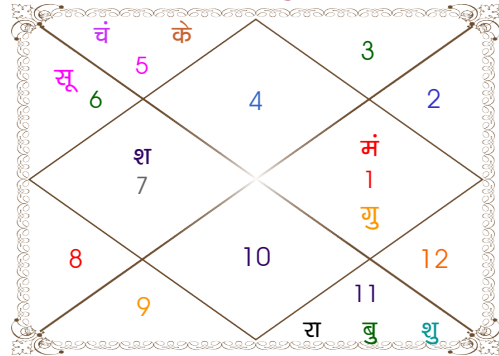
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 19 वर्ष 0 मास 5 दिन

शुक्र 20 वर्ष 22/03/2026 27/03/2045	सूर्य 6 वर्ष 27/03/2045 27/03/2051	चंद्र 10 वर्ष 27/03/2051 27/03/2061	मंगल 7 वर्ष 27/03/2061 26/03/2068	राहु 18 वर्ष 26/03/2068 27/03/2086
शुक्र 26/07/2028	सूर्य 14/07/2045	चंद्र 25/01/2052	मंगल 23/08/2061	राहु 07/12/2070
सूर्य 26/07/2029	चंद्र 13/01/2046	मंगल 25/08/2052	राहु 10/09/2062	गुरु 02/05/2073
चंद्र 27/03/2031	मंगल 21/05/2046	राहु 24/02/2054	गुरु 17/08/2063	शनि 08/03/2076
मंगल 26/05/2032	राहु 14/04/2047	गुरु 26/06/2055	शनि 25/09/2064	बुध 25/09/2078
राहु 27/05/2035	गुरु 01/02/2048	शनि 25/01/2057	बुध 22/09/2065	केतु 14/10/2079
गुरु 25/01/2038	शनि 13/01/2049	बुध 26/06/2058	केतु 18/02/2066	शुक्र 14/10/2082
शनि 27/03/2041	बुध 19/11/2049	केतु 25/01/2059	शुक्र 20/04/2067	सूर्य 07/09/2083
बुध 25/01/2044	केतु 27/03/2050	शुक्र 25/09/2060	सूर्य 26/08/2067	चंद्र 08/03/2085
केतु 27/03/2045	शुक्र 27/03/2051	सूर्य 27/03/2061	चंद्र 26/03/2068	मंगल 27/03/2086

गुरु 16 वर्ष 27/03/2086 28/03/2102	शनि 19 वर्ष 28/03/2102 28/03/2121	बुध 17 वर्ष 28/03/2121 28/03/2138	केतु 7 वर्ष 28/03/2138 28/03/2145	शुक्र 20 वर्ष 28/03/2145 00/00/0000
गुरु 14/05/2088	शनि 31/03/2105	बुध 24/08/2123	केतु 24/08/2138	शुक्र 23/03/2146
शनि 25/11/2090	बुध 09/12/2107	केतु 20/08/2124	शुक्र 24/10/2139	00/00/0000
बुध 02/03/2093	केतु 17/01/2109	शुक्र 21/06/2127	सूर्य 29/02/2140	00/00/0000
केतु 06/02/2094	शुक्र 18/03/2112	सूर्य 27/04/2128	चंद्र 29/09/2140	00/00/0000
शुक्र 07/10/2096	सूर्य 28/02/2113	चंद्र 26/09/2129	मंगल 25/02/2141	00/00/0000
सूर्य 26/07/2097	चंद्र 29/09/2114	मंगल 23/09/2130	राहु 16/03/2142	00/00/0000
चंद्र 25/11/2098	मंगल 08/11/2115	राहु 12/04/2133	गुरु 20/02/2143	00/00/0000
मंगल 01/11/2099	राहु 14/09/2118	गुरु 19/07/2135	शनि 30/03/2144	00/00/0000
राहु 28/03/2102	गुरु 28/03/2121	शनि 28/03/2138	बुध 28/03/2145	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 19 वर्ष 0 मा 5 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्ज्वल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपत्ति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएंगे। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृत्ति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यो के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यो के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपत्ति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नहीं है।

